केंद्रीय विद्यालयों में 22 जून से बड़ा बदलाव

ऑनलाइन होगी फीस जमा स्मार्ट कार्ड से छात्रों की अटेंडेंस

नई दिल्ली (एसएनबी)। देशभर के केंद्रीय विद्यालयों में इस महीने से विद्यार्थियों की हाजिरी अब स्मार्ट कार्ड से हो सकेगी। इतना ही नहीं अभिभावकों को अब फीस जमा कराने के लिए स्कूल आने या विद्यार्थियों को फीस लाने की भी जरूरत नहीं होगी। अभिभावक ऑनलाइन क्रेडिट व डेबिट कार्ड से फीस जमा करा सकेंगे और इसकी रसीद ले सकेंगे। केंद्रीय विद्यालयों में यह सुविधा 22 जून से मिलने लगेगी। शुक्रवार को इन सुविधाओं को लेकर केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने केवि शाला दर्पण प्रोजेक्ट का लांच किया।

दिल्ली छावनी स्थित केंद्रीय विद्यालय नंबर दो में स्थित डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन सभागार में इस योजना को लांच किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मानव संसाधन राज्यमंत्री उपेन्द्र कुशवाहा, मंत्रालय की सचिव रीना रे, केंद्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त संतोष कुमार मल्ल, सीबीएसई की कार्यवाहक चेयरपर्सन सतबीर साइलस बेदी ,नवोदय विद्यालय समिति के आयुक्त जेएस बोथियाल आदि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर ईरानी ने कहा कि केवि शाला दर्पण परियोजना द्वारा विद्यालयों एवं प्रशासनिक ढांचे का ऐसा समन्वय तैयार किया जाएगा जो देशभर के सभी केंद्रीय विद्यालयों से जुड़ा होगा। इससे न केवल संगठन की कार्य कुशलता में वृद्धि होगी बल्कि प्रधानमंत्री का डिजिटल इंडिया स्वप्न भी साकार होगा। 'केवि शाला दर्पण' परियोजना एक अत्यंत प्रासंगिक पहल है ,इसकी मदद से प्रवेश प्रक्रिया, परीक्षा-प्रबंधन, प्रशासनिक गतिविधियां, पंजीकरण, संकाय सूची, समय-सारणी, परिसंपत्ति प्रबंधन, सुविधा प्रबंधन, परिवहन, पुस्तकालय, वेतन और व्यय, विद्यार्थियों की फीस एवं बायोमीट्रिक उपस्थिति की प्रक्रियाओं का प्रबंधन आदि की व्यवस्था प्रभावी और अधिक पारदर्शी हो जाएगी। इससे अभिभावकों तथा शिक्षकों के समय में बहुत बचत होगी,जिससे वे बच्चों की परवरिश पर और अधिक ध्यान दे पाएंगे।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए मानव संसाधन एवं विकास राज्य मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा ने कहा कि यह परियोजना शिक्षा के स्तर की सतत निगरानी करने , शिक्षकों और छात्रों का सार्थक मूल्यांकन करने,अभिभावकों से एसएमएस द्वारा सम्पर्क करने एवं उनके सुझाव जानने में बहुत मददगार सिद्ध होगी,जिससे शिक्षा के क्षेत्र में कमियों की पहचान करना एवं उनका निराकरण करना त्वरित गति से सम्भव हो सकेगा।

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

- **22 जून से मिलने लगेगी नई सुविधाएं, पेरेंट्स को मिलेंगे ऑनलाइन रिपोर्ट कार्ड**
- **ई गवर्नेंस के तहत केवि शाला दर्पण प्रोजेक्ट लांच हुआ**
- **नया इतिहास रचेगी केवि शाला दर्पण : स्मृति इरानी**